दिल्ली विकास प्राधिकरण

दिल्ली विकास प्राधिकरण की सलाहकार समिति की बृहस्पतिवार, दिनांक 19 जुलाई, 1979 को 3.30 बजे प्राधिकरण के कार्यालय विकास मीनार नई दिल्ली में हुई बैठक की कार्यवाही रिपोर्ट ।

उपस्थित :

अध्यक्ष

1. श्री दलीप राय कोहली,
उप-राज्यपाल/अध्यक्ष, दिल्ली विकास प्राधिकरण ।

सदस्य (गैर सरकारी)

2. श्री बक्शी राम,
पार्षद, नगर निगम दिल्ली ।
3. श्री जे0एल0भाडारी,
पार्षद, नगर निगम दिल्ली ।
4. श्री दयाल सिंह,
पार्षद, नगर निगम दिल्ली ।
5. श्री आर0एल0सहदेव ।

सदस्य (सरकारी)

6. श्री एम0एन0बुच,
उपाध्यक्ष, दिल्ली विकास प्राधिकरण ।
7. श्री ए0एस0सुब्रहमण्यम,
अतिरिक्त महाप्रबन्धक (दिल्ली),
ईस्टर्न कोर्ट, नई दिल्ली ।
8. श्री जे0एस0मनवालन,
महानिदेशक (रोड्स एण्ड केन्टोनमेंट),
रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली ।
9. श्री पी0बनर्जी,
अधीक्षण अभियन्ता,
जहाजरानी एवं यातायात
मंत्रलाय ।

श्री जे0एस0माथुर,
महानिदेशक, (पीएण्डडी)
यातयात मंत्रालय, नई दिल्ली,
के प्रतिनिधि ।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

Minutes of the meeting of the Advisory Council of the Delhi Development Authority held on Thursday the 19th July, 1979 at 3.30 P.M. in the Conference Room of the Vikas Minar, New Delhi.

Present :

President

1. Shri D.R. Kohli, Lt. Governor/Chairman, DDA.

Members (Non-official)

2. Shri Bakshi Ram,
Councillor, M.C.D.

3. Shri J.N. Bhandari,
Councillor, M.C.D.

4. Shri Dayal Singh,
Councillor, M.C.D.

5. Shri R.L. Sehdev.

Member (Official)

6. Shri M.N. Buch,
Vice-Chairman, DDA.

7. Shri A.S.Sivasubramaniam,
Additional G.M. (D),
Eastern Court,
New Delhi.

8. Shri J.S. Menavalan,
Director General
(Roads & Cantt.,)
Ministry of Defence,
New Delhi.

9. Shri P. Benerjee,
Supdtg. Engineer,
Ministry of Shipping &
Transport.
) He represented Shri J.S.
) Marya, Director General
) (P&D), Ministry of Trans-
) port, New Delhi.

10. Dr. D.B. Khanijan
Deputy Health Officer
M.C.D.
) He represented Shri S.L.
) Chadha, Municipal Health
) Officer, M.C.D.

10.	डाक्टर डी0बी0खाचीजान, उप-स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम दिल्ली ।	श्री एस0एल0चड्ढा, निगम स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम दिल्ली, के प्रतिनिधि ।

सचिव

11. श्री हरी राम गोयल,

विशेष आमंत्रित

12. श्री एल0एच0भाटिया,
अभियन्ता सदस्य ।

13. श्री ई0एफ0एन0रीबिरो,
आयुक्त (योजना) ।

14. सैयद एस0शापनी,
चीफ आर्कीटैक्ट,
टी0सी0पी0ओ0, नई दिल्ली ।

15. श्री एस0सी0गुप्ता,
अतिरिक्त निदेशक (पीपी) ।

16. श्री आर0जी0गुप्ता,
निदेशक (सिटी प्लानिंग) ।

17. श्री जे0सी0गम्भीर,
अतिरिक्त निदेशक (पीपीडब्ल्यू) ।

बैठक के प्रारम्भ में अध्यक्षा ने दिल्ली की योजना के संबंध में प्राप्त अपने अनुभवन पर विचारों का आदान प्रदान किया । उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति पुनर्वास कालोनियों में बसाये गये हैं उन्हें अपने काम काज के स्थानों पर जाने में बहुत कठिनाई अनुभव हो रही है और उन्होंने अनुभव किया कि इस समस्या का एक समाधान यह है कि इन कालोनियों के आस पास रोजगार के केन्द्र तैयार किये जायें । इससे परिवहन की समस्या भी कम हो जायेगी । दूसरे उन्होंने अनुभव किया कि मकानों के तेजी से निर्माण के लिये इस दिशा में और दिल्ली विकास प्राधिकरण के प्रयासों को सहयोग देने के लिये दिल्ली में अलग

Secretary

11. Shri Hari Ram Goel.

Special Invitees

12. Shri L.H. Bhatia,
Engineer Member.

13. Shri E.F.N. Ribero,
Commissioner (Plg.).

14. Syed S. Shafi,
Chief Planner,
T.C.P.O., New Delhi.

15. Shri S.C. Gupta,
Additional Director (PPW).

16. Shri R.G. Gupta,
Director (City Planning).

17. Shri J.C. Gambhir,
Additional Director (PPW),

At the outset, the President shared some of his experiences with respect to the planning of Delhi. He stated that people settled in resettlement colonies were finding increasingly difficult to attend to their work places and felt that one of the solutions to this problem could be to create employment centres in and around these colonies. This will also reduce transportation problem. Secondly, he felt that there should be a separate Housing Board for Delhi for speedy construction of houses and to supplement the efforts of D.D.A. in this regard. One of the reasons why unauthorised colonies have come up is the slow rate of construction of houses. Thirdly, the initial slow pace of development of land is one of the reasons for high rise in the price of land and therefore the p ace of development of land be accelerated.

से एक आवास मिल होना चाहिये । अनधिकृत कालोनियों के बनने का एक कारण यह भी है कि मकानों के निर्माण की दर कम है । तीसरे भूमि के विकास की प्रारम्भिक गति धीमी होने के कारण भूमि के मूल्य बहुत ऊंचे हैं और इसलिये भूमि के विकास गति को बढ़ाया जाये ।

2. अध्यक्ष ने इंगित किया कि वर्तमान मुख्य योजना का कार्यान्वयन से अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं । इसका मुख्य कारण है कि भूमि प्रयोग चित्र क्षेत्रीय चित्र न्यूनाधिक मात्रा में स्थायी प्रकृति के थे जिससे वे समाज की वास्तविकताओं को ग्रहण करने में असफल रहे । उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि दूसरी मुख्य योजना में विभिन्न सम्मिलित समस्याओं विशेषकर निर्धनों से सम्बन्धित समस्याओं के समाधान की व्यवस्था करें ।

3. तत्पश्चात् कार्यावली मद पर चर्चा प्रारम्भ हुई ।

मद संख्या 9 — विषय :- दिनांक 23 जनवरी, 1979 को हुई सलाहकार समिति की पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि ।

दिनांक 23 जनवरी, 1979 को हुई सलाहकार समिति की पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई ।

मद संख्या 10 — विषय :- दिल्ली के लिये द्वितीय विकास योजना ।

उपाध्यक्ष, दिल्ली विकास प्राधिकरण ने दो मोनोग्राफ का परिचय प्रस्तुत किया जो सलाहकार समिति की दिलचस्पी को ध्यान में रखकर समाज के निम्न आय वर्ग तथा आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग हेतु तैयार किये गये थे ।

2. उन्होंने इस बात पर बल दिया कि वर्तमान व्यवहार से दिल्ली के बहुसंख्यक निर्धन वर्ग को सही मायनों में समुचित महत्व मिलेगा ।

2. The President pointed out that the implementation of the present Master Plan has not delivered the desired results. This was chiefly because the land use plan and zoning plans were more or less static plans and they failed to take into account the realities of the society. He desired that the second Development Plan should provide solution to various complex problems, especially with regard to the poor.

3. Thereafter agenda was taken up for discussion.

Item No. 9. Subject:- Confirmation of the minutes of the last meeting of the Advisory Council held on 23.1.79.

Minutes of the last meeting of the Advisory Council held on 23rd January, 1979 were confirmed.

Item No. 10. Subject:- Second Development Plan for Delhi.

(1) The Vice-Chairman, DDA introduced the two monographs which had been prepared after taking into account the concern of the members of the Advisory Council for the Low Income Group and Economically Weaker Section of the Society.

(2) He emphasised that the present exercise would give due weightage in concrete terms to the poorer section of Delhi which constitutes a majority. He informed the Council that collection of data through primary and secondary sources had already begun and the DDA intends to prepare the land use atlas for making it a basis for all planning of Delhi. The eight units

उन्होंने समिति को बताया कि प्राथमिक और माध्यमिक स्त्रोतों से आंकड़े एकत्रित करने का कार्य पहले ही शुरू हो चुका था और दिल्ली विकास प्राधिकरण का विचार भूमि प्रयोग मानचित्रावली को तैयार करने हेतु इसे सारी दिल्ली का योजना तैयार करने का आधार बना देने का है । दूसरे विकास योजना को तैयार करने हेतु जिन 8 टीकों का गठन किया गया था उनकी ओर भी इंगित किया गया । यह स्पष्ट किया गया कि आगामी दूसरी विकास योजना हेतु ग्राहक गण का लक्ष्य प्रारम्भ कर दिया गया है जिसमें सारे समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए समाज के आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग पर अधिकाधिक बल दिया जाना है ।

(3) दूसरी विकास योजना के निम्नलिखित चार मुख्य उद्देश्य सुझाए गए :"-

(ए) पहला उद्देश्य है :- (1) उद्योग

(2) व्यापार तथा वितरण और

(3) सरकारी सेवा, इन तीनों मुख्य आर्थिक क्रियाओं के माध्यम से मुद्रा का प्रवाह सापेक्ष आर्थिक व्यवहारिक प्रक्रिया के माध्यम से हमारे व्यवहारिक ग्राहक गण की ओर होना ।

(बी) दूसरा उद्देश्य है :- हमारे ग्राहक गण की आवास और परिवहन के शहरी ढांचे से आपूर्ति करना । हमारे ग्राहक गण हेतु आवास और परिवहन का समाधान वर्तमान समाधान से नितान्त भिन्न होगा । जिसका स्थिति निर्धारण ही भिन्न रहा ।

(सी) हमारे ग्राहक गण की आधार भूत विशेषता है निम्न आर्थिक स्तर, अन्य वर्ग अर्थात् उच्चतर आर्थिक स्तर, हमारे ग्राहक गण हेतु आर्थिक प्रचुरता की व्यवस्था के लिये योजना प्रक्रिया में आएगें । इस प्रकार तीसरा उद्देश्य सम्पूर्ण समष्टि हेतु भूमिका प्रस्तुत करता है ।

(डी) दिल्ली का विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी

which have been organised for the preparation of Second Development Plan were indicated. Itwas explained that for the next Development Plan, the idea of clientele has been introduced under which maximum emphasis is to be laid to the economically weaker section while keeping the interests of the overall society.

(3) The following four main objectives of the Second Development Plan were suggested:-

(a) The first objective is: Economic through physical - through the three main economic activities in Delhi i) Industry, (ii) Trade and Distribution and (iii) Govt. Service; the money should flow down to our clientele through related economic - physical process.

(b) The second objective is: to serve our clientele with urban infrastructure -- housing and transport. The housing and transport solution for our clientele shall be much too different than the present solution, which had a different orientation.

(c) The basic characteristics of our clientele is the low economic level, the other group, i.e., with higher economic level shall enter into the planning process to provide financial adequacy for our clientele. The third objective thus brings the role for total universe.

(d) Delhi being a capital of the largest democracy in the world, another objective of the plan would be the fitting image of the city in our own country and at international level.

(4) The members appreciated the approach taken in the monographs towards ameliorating the conditions of the

होने के कारणों चित्र का अन्य उद्देश्य अपने देश में और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी छवि स्थापित करना है ।

4. सदस्यों ने मोनोग्राफों में निर्धनों की हालतों को सुधारने की दिशा में उठाए प्रस्तावों की सराहना की । समिति के सदस्यों ने निम्नलिखित बहुमूल्य सुझाव दिए :-

§1§ आत्म निर्भर क्षेत्रों की स्थापना :-

रहने और काम करने के आत्म निर्भर क्षेत्र तैयार करने के प्रयास किए जाने चाहिए ताकि लोगों को अपने काम के स्थान पर जाने के लिए लम्बा सफर तय नहीं करना पड़े तदनुसार समाज सेवी वर्ग के गृहखण्ड मध्यम/निम्न आय वर्ग के गृहखण्डों के समीप बनाए जाने चाहिए । इन क्षेत्रों में महाविद्यालयों आदि जैसी सामुदायिक सेवाएं भी उपलब्ध होनी चाहिए । इन आवासीय क्षेत्रों में अनुकूल उद्योग, व्यापार एवं वाणिज्य तथा अन्य काम करने की क्रियाएं साथ होनी चाहिए । आवासीय क्षेत्रों में जनसंख्या का भरण-पोषण करने हेतु आवश्यक प्रस्ताव पूर्णतः वर्णित आवासीय ईकाईयों में सम्मिलित होने चाहिए ताकि ऐसी वर्ग को कार्य के लिए लम्बा सफर तय न करना पड़े ।

§2§ लोगों द्वारा मकानों का निर्माण:-

कुछ लोगों ने अनुभव किया कि अधिकतर निर्धन व्यक्तियों के उनकी अपनी निजी सहायता से किए जाने निर्माण सफल नहीं हो सकेंगे और यह कि गृहखण्डों का निर्माण दिल्ली विकास प्राधिकरण या अन्य निर्माण अभिकरण द्वारा किया जाना चाहिए ।

§3§ साधन :-

हमारे व्यवहारिक योजना के कार्यान्वयन की असफलता के कारणों में से एक यह कारण भी है कि साधनों की कमी है । अतः यह अनुभव किया गया कि इस बात का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए कि जो भी योजना बनाई जाए वह हमारे साधनों के अन्तर्गत हो । इस हेतु दूसरी योजना के कार्यान्वयन हेतु प्राथमिकताएं पहले ही निर्धारित

poor. The members of the Council made the following valuable suggestions:-

(i) Setting up self-contained areas:- Efforts should be made to create self-contained areas for living and working so that people do not have to travel long distances from their residence to place of work; e.g. C.S.P. flats should be constructed near to MIG/LIG flats etc; various community services like colleges, schools, dispensaries should also be available in those areas. Theseresidential areas should contain compatible industries, trade and commerce and other job activities. Necessary proposals for supporting population in the residential areas should be included in all well defined residential units, so that the service class need not travel long distances for work.

(ii) Construction of houses by people:- Some members felt that self-help construction by majority of poor people would not be a success and that flats should be constructed by the DDA or any other constructing agency.

(iii) Resources:- One of the reasons for the failure in implementation of our physical plan has been the lack of resources. It was, therefore, felt that adequate care should be taken that whatever is planned is within our resources. For this purpose, it is necessary to lay down the priorities well in advance for implementing the Second Plan.

(iv) Unauthorised construction:- There has been haphazard growth in the past leading to unauthorised construction and encroachment. This should be nipped in the bud and the number of demolition flying squads increased. All vacant lands should, wherever possible,

कर देना आवश्यक होगा ।

(4) अनधिकृत निर्माण :-

पिछले समय में अव्यवस्थित विकास हुआ है जिससे अनधिकृत निर्माण तथा कब्जे हुए हैं । इसे होते ही समाप्त कर देना चाहिए और अवैध निर्माण तोड़ने वाले उड़न दस्तों की संख्या बढ़ानी चाहिए । सारी खाली पड़ी भूमि पर यथासम्भव अच्छी तरह बाड़ लगा दी जानी चाहिए । यह सुझाव दिया गया कि निर्माण की दर समाज की आवश्यकताओं के अनुसार होना चाहिए ताकि अनधिकृत निर्माण का मौका ही न बने ।

(5) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र :-

सदस्यों ने अनुभव किया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना को त्यागा नहीं जाए और इसको कार्यान्वयन हेतु प्रयास किए जाने चाहिए ।

(6) भूखण्ड का आकार :-

पुनर्वास कालोनियों में लगभग 25 वर्गगज नाप के भूखण्ड की आलोचना की गई और प्रधान ने स्पष्ट किया कि भविष्य में कोई भी भूखण्ड 40 वर्गगज से कम का नहीं होना चाहिए ।

(7) जिला केन्द्र :-

नए जिला केन्द्रों में कुछ प्रबन्ध खादी तथा हथकरधा कर्मचारियों, चमड़े का काम करने वाले व्यक्तियों आदि और दुकानों के लिए होना चाहिए जो सहकारी समितियों को किफायती किराए पर दी जाए ।

(8) ढांचे :-

दूरभाष, स्वास्थ्य, जलसम्भरण आदि सेवाओं से सम्बन्धित अभिकरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों ने कहा कि प्रत्येक आवासीय एकक/जिला या स्थानीय केन्द्र में उनके

be properly fenced. It was, suggested that the rate of construction should be in accordance with the needs of the society, thereby leaving no scope for unauthorised construction.

(v) National Capital Region:- The members felt that the National Capital Region Plan should not be dropped and efforts should be made for its implementation.

(vi) Size of plot:- The size of the plot in resettlement colonies namely about 25 sq. yds. was criticised and it was explained by the President that in future no plot will be less than 40 sq. yds.

(vii) District Centres:- In the New District Centres some provision should be made for Khadi and Handloom workers, Leather Workers, etc. and shops etc. should be allotted to cooperative societies on economic rent.

(viii) Infrastructure:- Members representing agencies concerning the provision of services namely; telephone, health, water supply, etc., stated that adequate land should be reserved in each residential unit/district or local centre for their respective services. The Vice-Chairman requested them to send their specific requirements for consideration of the Perspective Planning Wing of the Authority.

(ix) Cycle tracks:- There should be specific provision for cycle track.

(5) While summing up the meeting of the Advisory Council, the President suggested that DDA should prepare a number of alternative plans. Private architects, various chambers of commerce, industry, trade, etc., should also be involved and they may be asked to comment upon the

प्रत्येक की सेवा और हेतु पर्याप्त भूमि आरक्षित की जानी चाहिए । उपाध्यक्ष ने उनसे अनुरोध किया कि वे अपनी विशिष्ट आवश्यकता प्राधिकरण के परीप्रेक्ष्य योजना विभाग के प्रतिफल हेतु लिख कर भेज दें ।

(9) साइकिल वालों के लिए पट्टी :-

साईकिल पर चलने वालों के लिए विशिष्ट पट्टी की व्यवस्था की जानी चाहिए ।

(5.) सलाहकार समिति की बैठक का समापन करते हुए अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि दिल्ली विकास प्राधिकरण अनेक वैकल्पिक चित्र तैयार करें । प्राईवेट आर्कीटैक्ट वाणिज्य मण्डलों, उद्योगों, व्यापारों को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए और उन्हें विभिन्न वैकल्पिक योजनाओं के मोनोग्राफी पर टीका टिप्पणी करने के पुनर्निवेशन जनता विशेषज्ञों एवं विधायकों आदि से प्राप्त किए जाने चाहिए और एक यथोष्ट समाधान निकालाजाना चाहिए । इस सम्बन्ध में उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि एक ऐसा मण्डल अगले तीन चार महीनों में तैयार कर दिया जाना चाहिए । दूसरे ,अध्यक्ष ने यह जानने के लिए कि क्या भारी वाहन के यातायात से दिल्ली को आग रखा जा सकता और क्या शहर के बीच से गुजरने वाले यातायात को टाला जा सकता है ।

6. उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि समुचित अवस्था पर विभिन्न सम्बन्धित क्षेत्र के विशेषज्ञों सहित संस्थाओं से प्रधान के सुझावानुसार परामर्श प्राप्त किया जाना चाहिए ।

अन्त में अध्यक्ष को धान्यवाद देकर बैठक विसर्जित हुई ।

---

various alternatives/monographs. The feedback on the various alternatives should be obtained from the public, experts, legislators, etc. and an optimum solution found out. In this connection he desired that atleast one such model should be prepared within next three or four months. Secondly, the President wanted to know whether it would be possible to segregate heavy vehicle traffic in Delhi and whether cross intra-city traffic could be avoided.

(6) The Vice-~~President~~ Chairman explained that at the appropriate stages various bodies including experts in the field would be consulted as per the suggestion of the President.

4. The meeting ended with a vote of thanks to the President.

Secretary,
Advisory Council,
Delhi Development Authority.

President,
Advisory Council,
Delhi Development Authority.